http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 59

प्रयागराज शुक्रवार 15 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

पीएम मोदी को डोमिनिका के सर्वोच्च सम्मान का एलान

● पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करेगी डोमिनिका सरकार, प्रधानमंत्री को बताया सच्चा दोस्त

रोसेउ,(एजेंसी)। डोमिनिका की सरकार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी को आगामी भारत–कैरीकोम सम्मेलन के दौरान इस सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। डोमिनिका की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करने का फैसला किया है। डोमिनिका की सरकार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना में आयोजित होने जा रहे आगामी भारत–कैरीकोम सम्मेलन के दौरान इस सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कोरोना में भारत ने की थी डोमिनिका की मदद डोमिनिका सरकार के बयान में बताया गया है कि डोमिनिका की राष्ट्रपति सिलवेनी बर्टन प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से सम्मानित करेंगी। फरवरी 2021 में प्रधानमंत्री मोदी ने डोमिनिका को एक बहुमूल्य उपहार देते हुए कोरोना वैक्सीन एस्ट्राजेनेका की 70 हजार डोज की आपूर्ति की थी। प्रधानमंत्री मोदी की इसी उदारता को पहचानते हुए डोमिनिका की सरकार ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करने का फैसला किया है। साथ ही पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने डोमिनिका को स्वास्थ्य, शिक्षा और आईटी के क्षेत्र में भी काफी मदद की है। भारत द्वारा डोमिनिका में जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने की दिशा में भी मदद की जा रही है। डोमिनिका के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्कर्मिट ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके देश का सच्चा दोस्त करार दिया, जिन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय डोमिनिका के लोगों की मदद की। इंडिया केरीकोम सम्मेलन 19 नवंबर से 21 नवंबर 2024 के बीच गुयाना के जॉर्जटाउन में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री मोदी को कई देशों के सर्वोच्च सम्मान से किया गया है सम्मानित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। बीते जुलाई माह में ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान श्ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टलश, से सम्मानित किया गया था।

कोई हमें छेड़े तो फिर छोड़ेंगे नहीं: सीएम

● ये दोबारा सत्ता में आए तो आपकी बेटी की इज्जत से खिलवाड़ करेंगे
● सीएम योगी का आरोप, झारखंड को नक्सलवाद की तरफ धकेलना चाहती है कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी

धनबाद,(एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को निरसा (धनबाद) पहुंचे। यहां आयोजित चुनावी सभा में योगी आदित्यनाथ ने कहा– अगर बंटेंगे तो कटेंगे। हमें तो एक रहना है। एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। इसके लिए भाजपा को लेकर आइए। यहां भ्रष्टाचारियों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा– अटल बिहारी बाजपेई ने झारखंड का निर्माण किया था। उनका सपना था कि विकसित झारखंड बनाएंगे। झारखंड के नागरिकों को विकास की धारा से जोड़ेंगे। लेकिन पिछले 20 सालों में इसे बद से बदतर कर दिया गया। एक तरह नया भारत बन रहा है तो दूसरी ओर झारखंड पिछड़ रहा है। केंद्र पैसे देती है पर झामुमो, कांग्रेस और राजद के लोग उसे खा जाते हैं। आज देश की सीमा भी मजबूत हुई है। पहले रोज झारखंड का जवान शहीद होता था। वो कहते थे पहले दुश्मन गोली चलाए तब तुम फायर करना, ये क्या बात हुई। छेड़ेंगे नहीं पर छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं– योगी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा– कोई आतंकी अब भारत में घुसने का प्रयास करता है तो उसका राम नाम सत्य कर दिया जाता है। छेड़ेंगे नहीं पर छेड़ोंगे तो छोड़ेंगे नहीं। यूपी में डबल इंजन की सरकार की वजह से अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना। विरासत का समारोह होना चाहिए। कांग्रेस, झामुमो, माले हो या राजद, ये लूटने आए हैं। ये लोग बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ करेंगे ये लोग झारखंड की धरती, बेटी, माटी की सुरक्षा में सेंध लगाने आए हैं। ये सभी यहां का अस्तित्व खत्म कर देंगे। ये सभी एक ही थाली के चट्‌ध्टे बट्‌ध्टे हैं। सब एक साथ लूट करते हैं। यहां भ्रष्टचारियों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा– ये लोग बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ करेंगे। रोटी की समस्या पैदा करेंगे। फिर आपकी जमीन पर भी कब्जा कर लेंगे। इसे रोकेगी केवल भाजपा। यूपी में जब से हम सरकार में आए हैं, तब से वहां केवल विकास हो रहा। सीएम योगी बोले– भाजपा मतलब, विकास, सुरक्षारूबगल में न्च है, वहां जो बहन–बेटियों को हाथ लगाता है उसका राम नाम सत्य हो जाता है यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड में रैली करते हुए एक बार फिर श्एक रहेंगे, नेक रहेंगेश के नारे को दोहराया। उन्होंने यह बात 5 नवंबर की रैली में भी कही थी। गढ़वा जिले के भवनाथपुर विधानसभा में उन्होंने कहा– एक परिवार दिल्ली बैठता है तो एक परिवार पटना बैठता है। इन्होंने राज्य में लूट मचा रखा है।

योगी तोड़ने की बात करते हैं सपा जोड़ने की: डिंपल यादव

करहल,(एजेंसी)। सांसद डिंपल यादव ने करहल, डुडगांव, खजुरारा, रानीपुर, नगला दिक्क में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उन्होंने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की योगी जैसी भाषा नहीं है। वह तोडने की बात करते हैं। समाजवादी पार्टी के लोग जोड़ने की बात करते हैं। भाजपा सरकार में संविधान खतरे में है। हम संविधान को बचाने में लगे हैं। सांसद ने कहा कि करहल की जनता ने हमेशा समाजवादी पार्टी का साथ दिया है। उपचुनाव में भी बड़े अंतर से सपा की जीत होगी। उन्होंने सपा प्रत्याशी तेजप्रताप यादव के लिए कार्यकर्ताओं से जुटने को कहा।

झारखंड में घुसपैठियों का समय खत्म होने वाला है: अमित शाह

● पहले चरण में हो चुका जेएमएम–कांग्रेस का सफाया, अमित शाह बोले, एक–एक घुसपैठिए को चुन कर झारखंड के बाहर भेजेगी भाजपा

“सोनिया गांधी ने राहुल गांधी को कई बार लॉंच किया, हर बार फेल हो गई। राहुल बाबा के प्लेन को 20 बार उड़ाया गया, लैंड नहीं कर पा रहा है।

अमित शाह, गृह मंत्री

रांची,(एजेंसी)। अमित शाह ने कहा कि श्झारखंड में नक्सलवाद की समस्या थी, उन्होंने झारखंड को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड को नक्सलवाद से मुक्त किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को झारखंड के गिरिडीह में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि झारखंड में घुसपैठियों का समय खत्म होने वाला है। भाजपा उन्हें झारखंड से बाहर करेगी। शाह ने वक्फ विधेयक पर भी बात कही और कहा कि उनकी सरकार वक्फ संशोधन विधेयक जरूर लाएगी। घुसपैठियों को झारखंड से बाहर करेगी भाजपा रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि श्मैं घुसपैठियों को बताना चाहता हूं कि हेमंत सोरेन की सरकार जाने वाली है और इसके साथ ही तुम्हारा समय भी झारखंड में खत्म होने वाला है। भाजपा तुम्हें झारखंड से बाहर करेगी। जिसने भी आदिवासियों की जमीनों पर कब्जा किया है, उनके खिलाफ कानून लाया जाएगा।श शाह ने कहा कि श्राहुल गांधी की पार्टी कांग्रेस, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस लाना चाहती है। कश्मीर हमारा है और कोई भी उसे हमसे नहीं छीन सकता। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो पाकिस्तान से लगातार आतंकी हमले होते थे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभाली तो सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर आतंकियों का सफाया किया।श अमित शाह ने कहा कि श्झारखंड में नक्सलवाद की समस्या थी, उन्होंने झारखंड को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड को नक्सलवाद से मुक्त किया।

तमिलनाडु में डॉक्टरों की हड़ताल से सरकारी अस्पतालों में ओपी सेवाएं प्रभावित

चेन्नई,(एजेंसी)। तमिलनाडु के कलैगनार सेंटेनरी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में ड्यूटी पर एक डॉक्टर की चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की घटना और पर्याप्त सुरक्षा की मांग को लेकर विभिन्न डॉक्टर संगठनों की हड़ताल के कारण गुरुवार को राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में बाह्य मरीज सेवाएं प्रभावित हुईं। तमिलनाडु गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीएनजीडीए) और फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (एफजीडीए) के प्रति निष्ठा रखने वाले डॉक्टर सांकेतिक विरोध के रूप में ओपी सेवाओं का बहिष्कार करके हड़ताल में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि उनकी मांगों को सरकार मान नहीं लेती है, जिसमें अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित करने, आईसीयू में पुलिस कर्मियों की तैनाती और सरकारी अस्पतालों में कैजुअल्टी वार्ड और उनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था शामिल है। भारतीय चिकित्सा संघ तमिलनाडु चौप्टर के अनुसार, पूरे राज्य के सरकारी और 8,000 निजी अस्पतालों के लगभग 45,000 डॉक्टर हड़ताल पर हैं। हड़ताल के बाद आपातकालीन मामलों और सर्जरी को छोड़कर, अन्य सभी चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हुईं। यह सांकेतिक हड़ताल स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमण्यम की बुधवार रात की घोषणा की पृष्ठभूमि में हुई है कि सरकार द्वारा उनकी मांगों पर विचार करने पर सहमति के बाद डॉक्टर संघों ने अपनी हड़ताल वापस लेने का फैसला किया है।

संविधान उन्हें खाली लगता है, क्योंकि उन्होंने इसे कभी पढ़ा ही नहीं: राहुल गांधी

● इस किताब के लिए अपनी जान देने को तैयार– राहुल गांधी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राहुल गांधी पर श्कोरा संविधानश दिखाने के आरोप पर पलटवार करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को संविधान कोरा लगता है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में इसे कभी पढ़ा ही नहीं है। राहुल गांधी ने आज चुनावी राज्य महाराष्ट्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि मैं जनसभाओं में संविधान दिखाता हूं जो खोखला है। इस किताब के लिए अपनी जान देने को तैयार– राहुल गांधी राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में एक सार्वजनिक सभा में कहा, ष्संविधान उनके लिए खाली है क्योंकि उन्हें संविधान खाली लगता है क्योंकि उन्होंने इसे अपने जीवन में कभी नहीं पढ़ा है।ष प्रधानमंत्री पर हमला करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान कोरा नहीं है, बल्कि इसमें हजारों वर्षों की सोच और विचार समाहित हैं। राहुल गांधी ने कहा, ष्उन्हें नहीं पता कि इस किताब में क्या लिखा है, इसलिए वह कहते हैं कि यह खाली है। वह कहते हैं कि राहुल गांधी लाल किताब दिखाते हैं। हमारे लिए यह मायने नहीं रखता कि किताब किस रंग की है, मायने यह रखता है कि इसके अंदर क्या लिखा है। हम इस किताब के लिए अपनी जान देने को तैयार हैं।ष उन्होंने कहा, ष्मैं प्रधानमंत्री को यह समझाना चाहता हूं कि यह संविधान खोखला नहीं है। यह हजारों वर्षों के विचारों से भरा हुआ है। जब आप इसे खोखला कहते हैं।, तो आप बिरसा मुंडा, महात्मा गांधी, अंबेडकर और अन्य का अपमान करते हैं। यह लड़ाई इसे बचाने के लिए है।ष पीएम मोदी का बयान इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष और उद्धव ठाकरे के सामान की तलाशी ली

मुंबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की सख्ती लगातार जारी है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम अजित पवार के बाद अब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बैगों की भी जांच की। महाराष्ट्र में बैग की जांच को लेकर सियासी विवाद जारी है। इस बीच, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बैगों की तलाशी ली। बता दें, नासिक में हेलिकॉप्टर से उतरते ही खरगे के बैगों को जांच किया गया था। अब इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वहीं, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने अहमदनगर में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बैग की जांच की। इससे पहले, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सामान की भी पालघर पुलिस ग्राउंड हेलीपैड पर जांच की गई थी। चुनाव कर्मियों ने उस समय मुख्यमंत्री के बैग और हेलीकॉप्टर की जांच की थी, जब एकनाथ शिंदे विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए पालघर पहुंचे थे। देवेंद्र फडणवीस के बैग और हेलीकॉप्टर की भी हुई थी जांच चुनाव कर्मियों ने काटोल विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के बैग की जांच की थी। इसका वीडियो भाजपा ने जारी किया था। इसमें चुनाव कर्मी बैग की जांच करते नजर आए। भाजपा ने कहा था कि केवल दिखावे के लिए संविधान का सहारा लेना पर्याप्त नहीं है। और सभी को संवैधानिक व्यवस्था का पालन भी करना चाहिए। भाजपा ने पोस्ट में कहा था कि कुछ नेताओं को नाटक करने की आदत है। अजित पवार के सामानों की भी हुई थी तलाशी महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के ‘बैग’ की बुधवार को चुनाव कर्मियों ने उस समय तलाशी ली थी।

कन्हैया कुमार ने देवेंद्र फडणवीस पर कसा तंज

डिप्टी सीएम की पत्नी इंस्टाग्राम पर रील बनाएंगी और हम धर्म बचाएंगे

● कन्हैया कुमार का बयान और चुनावी प्रचार

मुम्बई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के मतदान में अब कुछ ही दिन रह गए हैं। 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को मतों की गिनती की जाएगी, जिसके बाद राज्य में नई सरकार का गठन होगा। इस चुनावी माहौल में सभी राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के लिए प्रचार में जुटे हुए हैं। इस कड़ी में कांग्रेस पार्टी के नेता कन्हैया कुमार ने नागपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया और कई विवादास्पद टिप्पणियां कीं, जिससे राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। धर्म की रक्षा और इंस्टाग्राम रील पर बोले कन्हैया कन्हैया कुमार ने अपनी सभा में कहा, ष्धर्म को बचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है, लेकिन ऐसा न हो कि हम धर्म बचाएं और उपमुख्यमंत्री की पत्नी इंस्टाग्राम पर रील बनाएगी।ष उनके इस बयान का संकेत महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस की ओर था, जो सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी इंस्टाग्राम रील्स और पोस्ट्स के लिए चर्चा में रहती हैं। कन्हैया कुमार ने यह टिप्पणी धर्म को लेकर भाजपा की नीतियों पर हमला करते हुए की थी। जय शाह पर भी कन्हैया कुमार का हमला कन्हैया कुमार ने अपनी सभा में जय शाह पर भी तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा, ष्जय शाह बीसीसीआई में आईपीएल की टीम बना रहे हैं और हमसे ड्रीम 11 पर टीम बनाने के लिए कह रहे हैं।

क्रिकेटर बनाने का सपना दिखाकर लोगों को जुआरी बना दिया जा रहा है।

भारत दसवें पर

मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्सश शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है।वर्धमान ग्रुप के 82 वर्षीय चेयरमैन के साथ हुई घटना ने भारत में बढ़ते साइबर अपराध की ओर ध्यान खींचा है। चेयरमैन एसपी ओसवाल के साथ लगभग 6.9 करोड़ रुपये की ठगी हुई। ठगों ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट की नकली ऑनलाइन सुनवाई में बुलाया और जेल भेजने की धमकी देकर उनसे यह रकम ट्रांसफर करवा ली। हालांकि हाल में डिजिटल और ऑनलाइन धोखाध ाड़ी के अनगिनत मामले सामने आए हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का नाटक कर ठगने की बात पहले कभी नहीं सुनी गई थी।ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई में एक व्यक्ति प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ बन कर पेश हुआ। इसी दौरान उनसे कहा गया कि जांच के हिस्से के रूप में वे 6.9 करोड़ रुपये एक खाते में जमा करा दें। कुछ समय पहले भारत सरकार ने साइबर अपराध ों के बारे में चेतावनी जारी की थी। गृह मंत्रालय ने कहा था कि संभव है ऐसी घटनाओं को सीमा पार स्थित आपराधिक गिरोह अंजाम दे रहे हों। एनसीआरबी के मुताबिक 2021 में भारत में साइबर अपराध के 52,974 मामले दर्ज हुए। 2022 में इनमें लगभग 24 फीसदी बढ़ोतरी हुई और कुल 65,893 मामले दर्ज हुए।

ब्रिटेन की ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग के शोधकर्ताओं ने इसी साल दुनिया का पहला साइबर क्राइम इंडेक्स जारी किया। उसमें भारत को खास जगह मिली। श्मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्सश्च शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है।हालांकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराध की घटनाओं को विदेश से अंजाम दिए जाने का संदेह जताया है, लेकिन ऐसी मीडिया रिपोर्टें हैं, जिनके मुताबिक भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केंद्र बन गए हैं। छोटी–मोटी घटनाएं तो रोजमर्रा के स्तर पर हो रही हैं। असल मुद्दा यह है कि सरकार की साइबर अपराध निरोधक एजेंसियां इन्हें रोकने में कामयाब क्यों नहीं हुई हैं? अगर अपराध का जाल फैला रहेगा, तो कभी–कभार वैसी वारदात भी होना लाजिमी है, जिसके शिकार ओसवाल बने हैं।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुला:आज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिक: आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनु: आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकर: आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभ: आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीन: आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

हर नाकामी कामयाबी की अहमियत बताती है

सुशील कुमार सिंह

वाशु भगनानी और जैकी भगनानी पर अनेक लोग उन भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। श्बड़े मियां छोटे मियांश्च को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता–पुत्र की फिघ्ल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फिघ्ल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफिघ्स पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया। उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फिघ्ल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं।

दिनेश विजन की श्स्त्री–2श्च अंधाधुंध नहीं चली होती तो हिंदी फिघ्ल्मों के डिस्ट्रीब्यूटरों और मल्टीप्लेक्स वालों में मुर्दनी सी छायी हुई थी। छिटपुट सफलताओं को छोड़ दें तो कई महीने से ज़्यादातर फिल्में फ्घ्लॉप हो रही थीं और हताशा बढ़ा रही थीं। अब स्थिति कुछ बदली है, मगर अभी भी, यानी श्स्त्री–2श्च की अप्रत्याशित कामयाबी के बावजूद 2024 का साल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में पिछले साल से बहुत पीछे है। अगले तीन महीनों में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने को हैं जिनसे इसकी भरपायी की उम्मीद की जा रही है, लेकिन कौन जानता है कि वे आंकड़ों को सुधारेंगी या और बिगाड़ देंगी।

किसी उद्योग के वास्तविक हालात कभी भी उसके शीर्ष या ऊपरी परत के चेहरों की चमक से नहीं आंके जा सकते। असलियत तो उसके निचले पायदानों पर खड़े लोगों से ही पता चल सकती है। हर उद्योग में ये चेहरे पीछे छिपे होते हैं। किसी फिल्म के पिट जाने पर भी आप उसके हीरो, हीरोइन, निर्माता, निर्देशक आदि को हंसते–मुस्कुराते फिघ्ल्म की नाकामी या अपनी अगली फिघ्ल्म के बारे में मीडिया से बात करते देखते हैं। मगर जरूरी नहीं कि उसी फिघ्ल्म के निर्माण में शामिल रहे निचले स्तर के लोगों के लिए इस तरह मुस्कुराना इतना आसान हो।कई प्रोडक्शन हाउस हैं जो दिहाड़ी वाले वर्करों या छोटे–छोटे अनुबंध वाले लोगों का पैसा, श्बस दो–चार दिन में देते हैंश्च कह कर वैसे भी टालते रहते हैं। और अगर फिघ्ल्म रिलीज होने तक उन्हें पैसा नहीं मिला और फिघ्ल्म फ्घ्लॉप हो गई तब तो उनका भुगतान महीनों तक खिसक सकता है। कमाल यह है कि उनका मेहनताना सबसे कम होता है, मगर सबसे ज़्यादा खघ्तरा उसी पर मंडराता है। कहने को इंडस्ट्री में इन लोगों की भी तरह–तरह की एसोसिएशनें हैं जो उनके लिए लडने का दावा करती हैं। लेकिन अगर आप ढूंढने निकलें तो एक–एक करके सैंकड़ों ऐसे लोग मिल जाएंगे जिनका पैसा महीनों या सालों से लटका है या फिर जिसकी आस भी उन्होंने छोड़ दी है। मुंबई में लगभग साढ़े पांच लाख लोग फिघ्ल्म उद्योग से जुड़े बताए जाते हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या इन्हीं वर्गों के लोगों की है।

हमारे कई गंभीर फिघ्ल्म पत्रकार, जिनकी संख्या बहुत कम बची है, अक्सर शिकायत करते हैं कि इंडस्ट्री में कुछ ऐसे लोग हैं जिनकी प्रतिबद्धता फिघ्ल्मकारिता के प्रति नहीं है। वे अक्सर घटिया किस्म की फिघ्ल्में बनाते रहते हैं जो अधिकतर पिटती रहती हैं। फिर भी उनका फिघ्ल्म बनाना रुकता नहीं। कई बार तो संदेह होता है कि उनके पास इतना पैसा कहां से चला आ रहा है या फिघ्ल्में पिटने के बावजूद वे इतना पैसा क्यों खर्च किए जा रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों के संबंध विदेशों से भी रहते हैं।वैसे यह कोई नई या आज की बात नहीं है। बिल्डर और ब्रोकर किस्म के लोग तो आजादी के पहले से फिघ्ल्म निर्माण में कूदने लगे थे और उसके बाद भी लगातार रहे हैं। हमारे यहां बनने वाली फिघ्ल्मों की गिनती और उनमें घटिया फिघ्ल्मों का प्रतिशत बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ इन्हीं लोगों का रहा है। अगर ऐसे लोग फिघ्ल्में नहीं बनाते या उनकी बनाई फिघ्ल्मों को इंडस्ट्री के इतिहास से हटा दिया जाए, तब भी हमारी फिघ्ल्मों के विकास–क्रम, उसके उल्लेखनीय पड़ावों और फिघ्ल्मकारी के बार–बार बदलते मुहावरों की गाथा पर कोई असर नहीं पड़ता।मगर कोई निर्माता किसी भी पृष्ठभूमि से हो, आखिर वह कितना नुक्सान बर्दाश्त कर सकता है। एक के बाद एक फिघ्ल्में फ्घ्लॉप होती ही चली जाएं तो एक समय ऐसा आता है जब वह सबका भुगतान कर पाने की हालत में नहीं रहता। क्या वाशु भगनानी और जैकी भगनानी उसी दशा में पहुंच चुके हैं? उनके लिए काम कर चुके अनेक लोग उन पर पूरा भुगतान नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। श्बड़े मियां छोटे मियांश्च को इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप माना गया है। यह इन्हीं पिता–पुत्र की फिघ्ल्म थी जो हिंदी की सबसे महंगी फिघ्ल्मों में गिनी जाती है। इसे बनाने पर 350 करोड़ रुपए खर्च हुए, मगर बॉक्स ऑफिघ्स पर 100 करोड़ तक पहुंचने में इसका दम फूल गया।उसके बाद से ही भगनानी परिवार पर आरोपों का सिलसिला शुरू हो गया। निचले स्तर के वर्करों से लेकर इस फिघ्ल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर तक ने कहा कि उनके पैसे नहीं चुकाए गए हैं। जफर अपने सात करोड़ रुपए बाकी बता रहे थे, पर निर्माताओं ने उलटे उन्हीं पर पैसे के घालमेल का आरोप लगा दिया और कहा कि अबू धाबी सरकार से वहां शूटिंग के लिए जो सब्सिडी मिली थी वह जफर ने अपने पास रख ली। फिर भगनानी नेटफिघ्ल्क्स पर 47 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे। जवाब में नेटफिघ्ल्क्स ने कहा है कि पैसे तो हमारे वाशु भगवानी पर बकाया हैं। यह सब चल ही रहा था कि उनकी पिछली फिघ्ल्म श्मिशन रानीगंजश्च के निर्देशक टीनू देसाई ने भी बकाये की मांग उठा दी।बताया जाता है कि निचले स्तर के कई लोगों के पैंसठ लाख रुपए जैसे–तैसे चुका दिए गए। मगर तभी पता लगा कि भगनानी परिवार ने पिछले दो साल से अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया है। फिर खघ्बर आई कि वाशू भगनानी ने देनदारियां चुकाने के लिए अपना दफ्घ्तर बेच दिया है जिसे तोड़ कर अब वहां एक लग्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट बन रहा है। अपना दफ्घ्तर अब वे एक छोटे से फ्लैट में ले गए हैं और अपने करीब दो–तिहाई कर्मचारियों की उन्होंने छंटनी कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि श्बड़े मियां छोटे मियांश्च की रिलीज से पहले, बल्कि जनवरी से ही, उन्होंने छंटनी शुरू कर दी थी। और छंटनी का क्या है, देश भर में कोई भी कंपनी जब चाहे छंटनियां करती रहती है। उसकी मजर्घी।वाशु भगनानी साहब ने अपनी पत्नी पूजा के नाम से 1986 में अपनी फिघ्ल्म प्रोडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट बनाई थी। शुरू में इसने केवल डिस्ट्रीब्यूशन का काम किया और नौ साल बाद अपनी पहली फिघ्ल्म श्कुली नंबर वन्यश्च बनाई जिसमें गोविंदा थे और डेविड धवन का निर्देशन था। यह फिघ्ल्म चल गई तो कई साल तक वाशु भगनानी नंबर वन के पीछे पड़े रहे। मतलब उन्होंने श्हीरो नंबर वन्यश्च भी बनाई और श्बीवी नंबर वन्यश्च भी। ये फिल्में भी हिट रहीं। अपने उन्हीं अच्छे दिनों में वाशु भगनानी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा को लेकर श्बड़े मियां छोटे मियांश्च बनाई थी। उसका निर्देशन भी डेविड धवन ने किया। यह फिघ्ल्म 12 करोड़ में बनी थी जबकि इसने 36 करोड़ कमाए थे। इसे इस तरह समझिये कि फिघ्ल्म निर्माण के खर्च, स्टारों व निर्देशक इत्यादि की फीस की मौजूदा दरों के हिसाब से यह फिघ्ल्म आज लगभग 150 करोड़ में बनती और कम से कम 450 करोड़ कमाती।

मगर फिर भगनानी साहब के अच्छे दिन लडखड़ाने लगे। उन्होंने श्शादी नंबर वन्यश्च बना कर उन्हें संभालने की कोशिश की, पर बात ज्यादा बनी नहीं। फिर गोविंदा की तरह डेविड धवन का जमाना भी ढलने लगा। तभी वाशु भगनानी को अपने बेटे जैकी भगनानी को हीरो बनाने की सूझी। जैकी के लिए उन्होंने, एक के बाद एक, दस फिघ्ल्में बनाईं जो सब की सब फ्घ्लॉप रहीं और जिन्हें शायद जैकी भी याद रखना पसंद नहीं करेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट ने अब तक जिन छत्तीस फिघ्ल्मों का निर्माण किया है उनमें से करीब दो–तिहाई को बॉक्स ऑफिघ्स पर अपनी लागत निकालने में भी दिक्कत आई। पिछले दस सालों में इस प्रोडक्शन हाउस ने एक दर्जन से ऊपर फिघ्ल्में बनाई हैं जिनमें से श्सरबजीत्यश्च को छोड़ लगभग सभी फ्घ्लॉप रही हैं। इनमें श्बेलबॉटम्यश्च भी थी जो 150 करोड़ में बनी थी और केवल 50 करोड़ निकाल सकी। और इन्हीं में श्मिशन रानीगंजश्च भी थी जो 55 करोड़ में बनी और इतने पैसे भी वापस नहीं ला पाई।

कहा जा रहा है कि भगनानी परिवार की मुश्किलें चार साल पहले ही शुरू हो गई थीं। उन्हीं मुश्किलों के बीच उन्होंने श्गणपत्यश्च बनाई जिसका बजट 200 करोड़ था और बॉक्स ऑफिघ्स पर जिसे 15 करोड़ भी नहीं मिले। और फिर वे अपनी पुरानी हिट फिल्म श्बड़े मियां छोटे मियांश्च के शीर्षक को दोहराते हुए एक्शन भरी साइंस फिक्शन लाए जिसकी नाकामी ने उनका पूरा फिघ्ल्मी तामझाम ही उलट–पुलट कर दिया है।

करीब छह महीने पहले पूजा एंटरटेनमेंट ने शाहिद कपूर को लेकर श्अश्वत्थामाश्च बनाने की घोषणा की थी। यह भी बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, इसलिए और प्रोडक्शन हाउस के ताजा हालात के कारण कुछ लोग इसके पूरा होने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। यह प्रोडक्शन हाउस जगन शक्ति के निर्देशन में टाइगर श्रॉफ को लेकर जो फिल्म बनाने जा रहा था उसे तो खैर बंद ही कर दिया गया है।किसी स्टार की कई फिघ्ल्में पिट जाएं, उसके बावजूद कोई एक फिघ्ल्म हिट होकर उसका करियर और मार्केट बचा लेती है। मगर स्टार और प्रोडक्शन हाउस के करियर में अंतर होता है। अभिनेता अक्षय कुमार अपनी कई फिघ्ल्में पिटने के बाद भी कहते हैं कि श्हर नाकामी आपको कामयाबी की अहमियत बताती है और आपमें कामयाब होने की भूख बढ़ाती है।श मगर जिस प्रोडक्शन हाउस की लगातार दस फिघ्ल्में अपना पैसा वापस नहीं निकाल सकी हों, और जो देनदारियों के पचड़ों में फंसा हो, वह ऐसा कैसे कहे? असल में भगनानी पिता–पुत्र की मौजूदा स्थिति के विश्लेषण के कई आयाम हैं। उनमें स्टारों की बढ़ती फीस भी है और स्टार जो अपने साथ लाव–लश्कर लेकर चलते हैं, उसका खर्चा भी है। इनके अलावा एक आयाम पुरानी मशहूर फिघ्ल्मों के रीमेक का है। उस पर फिर कभी।

कल्याण के लिए प्रतिबद्ध छत्तीसगढ़ सरकार

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण की प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों के सामाजिक–आर्थिक विकास की दिशा में सरकार ने कई हितकारी फैसले लिए हैं, जिनमें उनके भरण–पोषण, रहवास के लिए वृद्धाश्रमों की व्यवस्था, उनके लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था, संपत्ति के संरक्षण समेत कई अहम कार्य शामिल हैं। प्रदेश में माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों को भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए अनुविभागीय अधिकारी की अध्यक्षता में सभी अनुविभागों में भरण पोषण अधिकरण का गठन किया गया है, अधिकरण से जुड़े अपीलीय नियमों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरों पर भी अधिकरण का गठन हुआ है। वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण एवं भरण पोषण का लाभ दिलाने के लिए आवेदन की आसान व्यवस्था भी प्रभावी है। 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के वृद्धजनों को निरूशुल्क भोजन, आश्रय, देखभाल, मनोरंजनात्मक सुविधाएं आदि उपलब्ध कराने लिए राज्य के 26 जिलों में 35 वृद्धाश्रम भी चलाए जा रहे हैं जिसका लाभ लगभग एक हजार वरिष्ठ नागरिकों को हो रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार पूरी संवेदनशीलता से वरिष्ठ नागरिकों का ध्यान रख रही है। 60 वर्ष या इससे अधिक के ऐसे वरिष्ठ नागरिक जो बढ़ती उम्र के कारण गंभीर बीमारियों के कारण बिस्तर पर रहने को मजबूर हैं, उनकी समुचित देखरेख, उन्हे स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशामक देखरेख गृह संचालन की योजना भी शुरू की गई है। इनके अंतर्गत 6 जिलों रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, रायगढ़, बालोद एवं बेमेतरा में देखरेख गृह का संचालन किया जा रहा है, जहां वरिष्ठ नागरिकों का सम्पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है।छत्तीसगढ़ सरकार वरिष्ठ नागरिकों की आस्था को पूरा सम्मान प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ उनके लिए तीर्थ स्थलों की यात्रा की योजना भी चला रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले वरिष्ठ नागरिकों की वृद्धावस्था में होने वाली समस्या को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार न केवल उनकी देखभाल कर रही बल्कि उन्हें उचित स्वास्थ्य लाभ भी दिला रही है। वरिष्ठ नागरिक सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत व्हीलचेयर, श्रवणयंत्र, चश्मा, छड़ी आदि उपकरण प्रदान किए जा रहे है। इस योजना से राज्य के 50 हजार से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों को लाभान्वित किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन राशि दी जाती है। वर्तमान में 14 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षा, संरक्षण एवं सम्मान के प्रति समाज में सकारात्मक और जागरूक वातावरण बनाने के लिए हर वर्ष विकासखण्ड स्तर से राज्य स्तर तक 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण, सहायता और मार्गदर्शन के लिए समाज कल्याण संचालनालय में हेल्पलाईन 155–326 एवं टोल फ्री नं. 1800–233–8989 का संचालन किया जा रहा है, जिसका लाभ प्रदेशभर के वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा है। इस तरह छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और कल्याण को लेकर सतत कार्य किया जा रहा है।

उपेक्षा जनित सक्रियता...?

ओमप्रकाश मेहता

वह भी एक जमाना था, जब भारतीय जनता पार्टी के सत्तारूढ़ वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवानी अपनी सरकार का कोई भी अहम फैसला बिना राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राय व पूर्व अनुमति के बिना नही लेते थे, पहले संघ को विश्वास में लेते थे, उसके बाद फैसला, किंतु पिछले एक दशक से स्थिति ठीक इसके विपरीत है, सत्ता उसी भारतीय जनता पार्टी की है किंतु आज वही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपनी उपेक्षा से काफी पीडिघ्त व उद्वेलित है और इसी सत्ता की उपेक्षा ने संघ को अपने संगठन की साख बचाने हेतु नई सक्रियता की ऊर्जा प्रदान कर दी है, इसीलिए पिछले कुछ दिनों से संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत काफी सक्रिय और व्यस्त नजर आने लगे है, अब उन्हें अपनी सरकार की किसी तरह की भी चिंता नही रही, इसीलिए वे अपने संगठन की साख की रक्षा में पूरी तरह जुट गए है, चाहे फिर सत्तारूढ़ नेता उनसे अनवरत् सम्बंध बनाकर रखें या नहीं?

इसकी उन्हें अब कोई चिंता नही रही, अब वे अपने संगठन की साख को कायम रखने में ही अपना सर्वस्व न्यौछावर करना चाहते है, ऐसे में यदि यह कहा जाए कि सत्तारूढ़ भाजपा व संघ के पदाधिकारी आमने–सामने खड़े नजर आ रहे है, तो कतई गलत नही होगा? इसी सन्दर्भ में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दक्षिण भारत में आयोजित संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में जाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो तेवर दिखाए थे, उनसे तभी यह तय हो गया था कि अब संघ और भाजपा एक साथ नही बल्कि दोनों आमने–सामने है और इस घटना के बाद से ही संघ के शीर्ष पदाधिकारियों ने अपने संगठन के अस्तित्व की लड़ाई खुद लडना शुरू कर दिया है, इसीलिए आज दोनों ही समान विचारधारावाले संगठनों के नेता अलग–अलग नजर आने लगे है और संघ कुछ अधिक ही सक्रिय नजर आने लगा है और शायद इसीलिए संघ प्रमुख डॉ. मोहनराव भागवत का शब्द चयन काफी तीखा हो गया है, कोई आश्चर्य नही कि संघ सक्षम प्रतिपक्ष की भूमिका में नजर आने लगें, क्योंकि जो आज सत्ता के सामने प्रतिपक्ष है, वह देश व देशवासियों के अधिकारों व सहूलियतों की रक्षा के लिए इतना सक्षम नजर नही आ रहा है और इन्हीं सब स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए नेता प्रतिपक्ष की आलोचना भी शुरू हो गई है, इसीलिए ऐसी स्थिति में यदि संघ व उसके नेता प्रतिपक्षी की भूमिका में नजर आने लगे तो कोई आश्चर्य नही होगा?

इन्हीं सब स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में संघ प्रमुख मोहनराव भागवत के व्याख्यान श्शब्दिअर्थीच्य नजर आने लगे है, कभी वे हिन्दू और हिन्दुत्व के नाम पर अपरोक्ष रूप से सत्ता पर हमला करते है तो कभी हमारे पड़ौसी देशों की साजिशों को सामने लाकर, आज एक और जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने आपको विश्वस्तरीय लोकप्रिय नेता होने की झलक दिखाने का प्रयास करते है, तो कभी डॉ. मोहनराव भागवत विदेशी सम्बंधों व पड़ौसी देशों की कार–गुजारियों की आड़ में हमारी विदेश नीति की आलोचना कर रहे है, भागवत का स्पष्ट आरोप है कि हमारे सामाजिक रिश्तों को विदेशी ताकते अपनी साजिशों के माध्यम से ध्वस्त करने का प्रयास कर रही है और हम और हमारी सरकार खुली आंखों से यह सब चुपचाप देख रहें है, इस प्रक्रिया को नही रोका गया तो हमारा काफी नुकसान होगा।

अब उन्होंने यह चेतावनी भी देनी शुरू कर दी है कि यदि हम दुर्बल और असंगठित रहे तो वह हमारे लिए अत्याचार को निमंत्रण देने जैसा होगा, इसलिए हमें अभी से सचेत हो जाना चाहिए। इस प्रकार कुल मिलाकर अब भाजपा के ही शासनकाल में सत्ता–संगठन और संघ तीनों के स्वर अलग–अलग हो गए है और सत्तारूढ़ दल के साथ ऐसा होना स्थिति, परिस्थिति और देशकाल के लिए शुभ नही है। हमें समय रहते इस दिशा में सजग होना पड़ेगा।

महिला श्रमिक का पेड़ से लटकता मिला शव

मीरजापु(आरएनएस)र। जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र के कुड़ी गांव में मध्य प्रदेश से धान की कटाई करने आई महिला श्रमिक की संदिग्ध परिस्थिति में छोटे से पेड़ में साड़ी के फंदे से लटकता हुआ शव मिला है. शव मिलने की जानकारी होते ही गांव में हड़कंप मच गया. ग्राम प्रधान की सूचना पर मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी आपरेशन मुनींद्र पाल सिंह, थानाध्यक्ष राजगढ़ व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साड़ी के फंदे से लटक रहे महिला श्रमिक के शव को नीचे उतार कर विधिक कार्यवाही में जुटी रही है. जानकारी के मुताबिक राजगढ़ थाना क्षेत्र के कुड़ी गांव निवासी जोखन गुप्ता का कस्बे से दूर खेत है जहां वह अपना मकान बनाकर रहते हैं. जोखन गुप्ता के धान के फसल की कटाई के लिए शुक्रवार की सुबह लगभग 10 बजे उनके खेत पर धान की कटाई करने पहुंचे थे. तभी घर के पीछे छोटे अर्जुन के पेड़ में 35 वर्षीय महिला शव पेड़ की डाली में साड़ी के फंदे पर लटकता देख, मजदूर शोर मचाते हुए भागकर कर किसान को सूचना दिए. तब तक मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए थे. जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान गुलाब मौर्य ने पुलिस को सूचना दे दी. सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी मुनेंद्र पाल सिंह, राजगढ़ थानाध्यक्ष महेंद्र पटेल पुलिस टीम व फोरेंसिक टीम सहित मौके पर पहुंचकर फंदे पर लटकता हुआ महिला श्रमिक के शव को नीचे उतार कर जांच पड़ताल कराया. मृतक महिला के गले में एक माला व छोटा पर्स पाया गया जिसमें चौदह सौ रुपये नगद व एक कागज की पर्ची पर लिखा हुआ मोबाइल नंबर मिला. मोबाइल नम्बर पर फोन किया गया तो मृतिका का पति फोन पर बात कर मध्य प्रदेश के चितरंगी थाना क्षेत्र के पीडरिया निवासी उत्तम गौड़ ने बताया कि मृतिका उसकी पत्नी है. मृतिका का नाम हीरामनी देवी बताया गया. सूचना मिलते मौके पर पहुंचे उत्तम गौड़ ने बताया कि उसकी पत्नी हीरामनी रविवार को गांव के मजदूरों के साथ धान की कटाई करने के लिए थाना क्षेत्र के भागलपुर गांव में एक किसान के घर आई हुई थी. बुधवार को साथी मजदूर के फोन से घर पर फोन कर पेट मे दर्द होने की बात कही थी, इसी बीच बुध ावार की शाम मजदूर साथियों ने फोन कर बताया कि हीरामनी बगैर बताए कहीं चली गयी है. जिसपर महिला का पति उत्तम भागलपुर गांव पहुंचकर किसान के साथ खोज बीन कर रहा था कि दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह कूडी गांव में उसका शव पेड़ से लटकता पाया गया. मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल करने लगी तो महिला की पहचान हो गई. अब मामले का खुलासा होना बाकी है कि महिला की कैसे मौत हुई है वह यहां तक कैसे पहुंची है? इस सम्बन्ध में सीओ आपरेशन मुनींद्र पाल सिंह ने बताया कि फंदे से लटकता महिला का शव मिला है पहचान हो गई है. पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध स्थिति में चोट लगने से घायल की अस्पताल में उपचार के दौरान हुई मौत

लालगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। थाना क्षेत्र के बरकछ गांव निवासी रंगीलाल कोल के पुत्र 20 वर्षीय विजय कुमार की संदिग्ध स्थिति में चोट लगने के कारण अस्पताल में उपचार के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लालगंज थाना क्षेत्र के बरकछ गांव में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में चोट लगने के कारण बीके कुमार कोल गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्वजन घायल विजय कुमार को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल लेकर गए। जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चर्चाओं में बताया गया कि विजय कुमार की मौत शराब के नशे में मकान के सीढ़ी पर से गिरने के कारण अत्यधिक चोट लगने से हुई है। स्वजान द्वारा मौत की जानकारी होने के बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर मौत की खबर मिलते ही घर पर महिलाएं रोने बिलखने लगी।

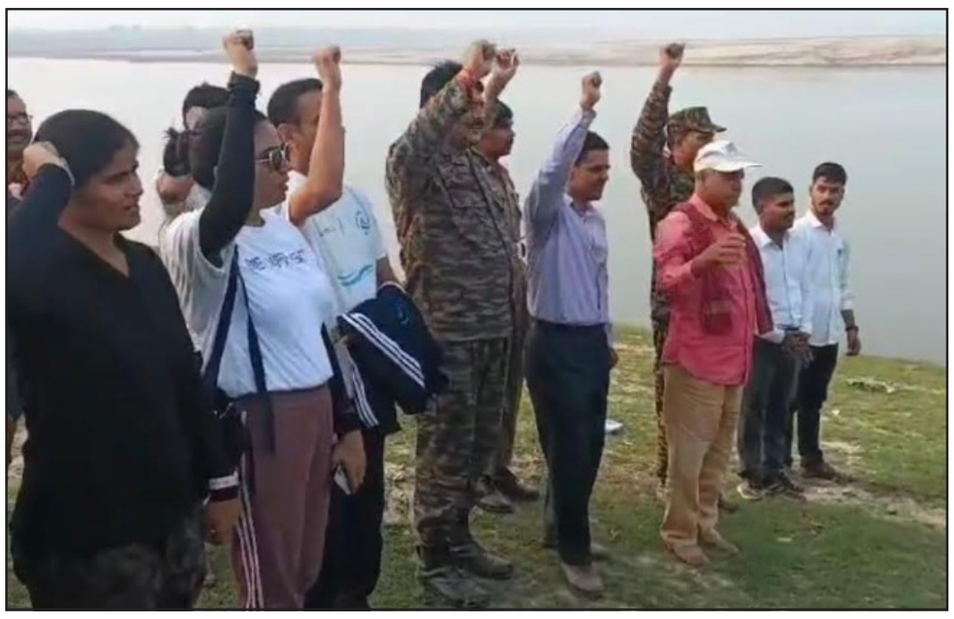

यात्रा पर निकले एनसीसी कैडेट्स

मीरजापुर(आरएनएस)। कानपुर से कोलकाता के लिए गंगा निर्मलीकरण जागरूकता यात्रा पर निकले राजस्थान, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के एनसीसी कैडेट्स एवं नेवी के अधिकारियों का दल शुक्रवार को विंध्याचल पहुंचा। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जनपद के छानबे ब्लाक अंतर्गत स्थित भिलगौर गांव के शिवाला घाट पर आगवानी के उपरांत मां गंगा के सम्मान में नारा बुलंद करते हुए गंगा वारियर्स सुभाष चंद्र ओझा ने दल का गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए उन्हें यहां के ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक महत्व से परिचित कराया है। दल का नेतृत्व कर रहे नेवी के ब्रिगेडियर राजेश सिंह एवं अन्य सेनाधिकारियों ने मिर्जापुर पहुंचने पर यहां के ग्रामीणों खघसकर गंगा नदी के तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों से भेंटकर यहां के रहन सहन और भौगोलिक स्थिति को करीब से देखा जाना है। गंगा निर्मलीकरण जागरूकता यात्रा पर निकले राजस्थान, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के एनसीसी कैडेट्स एवं नेवी के अधिकारियों के दल को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। ग्रामीण जहां इन्हें अपने बीच पाकर काफी गौरवान्वित महसूस कर रहे थे तो वहीं एनसीसी कैडेट्स एवं नेवी के अधिकारियों का दल भी अपने स्वागत सत्कार को देख अभिभूत नजर आएं हैं। दल के अधिकारियों ने पूरी टोली के साथ गंगा तट के किनारे जाकर गंगा नदी के जल के निर्मलीकरण को देख, आस–पास में चलाएं जा रहे स्वच्छता अभियान को भी सराहा है। इस दौरान सभी ने स्थानीय लोगों के साथ सामूहिक रूप से मिलकर गंगा नदी के निर्मलीकरण तथा गंगा तट पर साफ सफाई बनाएं रखनें का आह्वान करते हुए कहा कि गंगा महज एक नदी नहीं बल्कि सभी की जीवनधारा भी हैं, जिनसे सभी का जीवन जुड़ा हुआ है। जबतक धरा पर इनका निर्मल जल अविरल कल–कल बहता रहेगा तब तब जीवन भी बना रहेगा। इस दौरान दल में शामिल नेवी के अधिकारियों ने यहां के ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक स्थल, उनसे जुड़ी हुई मान्यताओं को सुन कर कहां वाह, मिर्जापुर! बताते चलें कि यह दल मिर्जापुर से चुनार होते हुए वाराणसी, गाजीपुर, बलिया के रास्ते बिहार राज्य में प्रवेश कर कोलकाता पहुंचेगा।

संक्षेप

खंभे से लटकता मिला महिला का शव

अमेठी। मुसाफिरखाना रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार को एक अज्ञात महिला का शव बिजली के खंबे से लटका पाया गया।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रतीत होता है कि महिला ने अपनी साड़ी को फंदे के रूप में इस्तेमाल किया था। जिससे संकेत मिलता है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के पास चप्पलें भी बरामद हुई है।मुसाफिरखाना के थाना प्रभारी विवेक सिंह ने कहा महिला का शव रेलवे लाइन के बिजली के खंबे से लटका पाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया और अन्य स्रोतों से महिला की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं।

जिला स्तरीय चयन 11 को

अमेठी। उपक्रीड़ाधिकारी मो मोसर्रफ खॉ ने बताया कि वर्ष 2024–25 में आयोजित होने वाली पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर राज्य स्तरीय सीनियर पुरूष क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स की तिथि निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि खेल प्रतियोगिता का जिला स्तर ट्रायल्स अमेठी में 11 दिसंबर 2024 एवं मण्डल स्तर ट्रायल्स अयोध्या में 22 नवम्बर 2024 तक प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि उपरोक्त खेल का जिला स्तर चयन ट्रायल्स प्रातः 10 बजे डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम अमेठी में आयोजित किया जायेगा तथा प्रतिभागी खिलाड़ी को अपने साथ आधार कार्ड निवास प्रमाण पत्र व पासपोर्ट साइज की फोटो लाना अनिवार्य होगा।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अमेठी। मिशन शक्ति फेज 05 के तहत युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के द्वारा श्रीमती रमराजी माध्यमिक विद्यालय विकास खंड शाहगढ़ में मिशन शक्ति के उद्देश्यों एवं महिलाओं के आत्म रक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा जागरूकता कार्यक्रम एवं संगोष्ठी का आयोजन कराया गया।जिसमें महिलाओं से संबंधित सरकारी योजनाओं हेल्प लाइन नंबर 1090 साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे में भी छात्राओं को विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रागिनी पांडेय प्रधानाचार्य धीरज कश्यप युवक मंगल दल अध्यक्ष आकाश एवं विद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया।

एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्या

कौशाम्बी। थाना पुलिस चौकी और क्षेत्र अधिकारी कार्यालय में न्याय ना मिलने पर तमाम फरियादी पुलिस अधीक्षक की चौखट पर पहुंचे हैं और अपनी पीड़ा बताते हुए न्याय दिलाने की मांग की है पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव द्वारा सोमवार को पुलिस कार्यालय में फरियादियों की समस्याओं की जनसुनवाई की गयी। इस दौरान पुलिस कार्यालय में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को उन्होंने सुना तथा फरियादियों की समस्याओं को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबन्धित को आवश्यक आदेश–निर्देश दिए गये।

निरोधात्मक कार्यवाही में 12 गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना चरवा से 01, थाना कड़ाधाम से 06, थाना मोहब्बतपुर पइन्सा से 04, थाना करारी से 01) कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान किया गया।

विवाह के लिए करें आवेदन

चित्रकूट(आरएनएस)। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि समाज कल्याण विभाग से संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्ति पुत्रियों की शादी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आगामी 29 नवंबर के शुभ मुहूर्त में सामूहिक विवाह संपन्न होगा।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

कौशाम्बी। ब्लाक संसाधन केन्द्र मूरतगंज में समेकित शिक्षा के अन्तर्गत दिव्यांग बच्चो की शिक्षा हेतु परिषदीय विद्यालयों में नामित नोडल टीचर्स का 05 दिवसीय प्रशिक्षण में दिव्यांग बच्चो की समावेशी शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ने हेतु डॉक्टर कमलेंद्र कुमार कुशवाहा (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी) एवं डा0 प्रज्ञा सिंह (खण्ड शिक्षा अधिकारी)मूरतगंज के कुशल निर्देशन में पंचम दिवस का प्रशिक्षण आज समाप्त हुआ ।प्रशिक्षण के पंचम दिवस में दिब्यांग बच्चों से सम्बन्धित समर्थ ऐप पर नोडल टीचर द्वारा कार्य करने की क्रिया कलाप, तथा शिक्षण दृष्टि दिव्यांग,शैक्षिक पुनर्वास हेतु अनेक सुविधाए व अभिभावक परामर्श, नियमित उपस्थिति,ठहराव, शैक्षिक सपोर्ट आदि की रणनीतियों के प्रमुख बिंदु, प्रक्रियाध्तरीका के बारे मे विस्तार से प्रकाश डाला गया ।

200 किसानों को बांटे मसूर के बीज

जैदपुर बाराबंकी(आरएनएस)। विकास खण्ड हरख क्षेत्र की ग्राम पंचायत हरख में स्थित कृषि सूचना तंत्र का सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम एवं आत्मा योजनांतर्गत विकास खंड स्तरीय रबी गोष्ठी का आयोजन किसान कल्याण केंद्र पर किया गया। कृषि सूचना तंत्र का सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता एवं आत्मा योजनांतर्गत कार्यक्रम के मुख्यातिथि जैदपुर विधानसभा विधायक गौरव रावत थे। जिला कृषि अधिकारी राजित राम वर्मा,भूमि संरक्षण अधिकारी कुर्सी) विनोद कुमार यादव,प्रगतिशील कृषक हरेंद्र सिंह,प्रधान संघ के अध्यक्ष प्रधान प्रतिनिधि चट्टान सिंह वर्मा, चंद्रपाल सिंह,सहायक विकास अधिकारी हरख कृषि सुरेंद्र कुमार एवं समस्त स्टाफ के साथ कृषक बंधु उपस्थित थे। गोष्ठी में रबी फसलों की आगामी तैयारी, पराली प्रबंधन, बीजों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विधायक गौरव रावत एवं जिला कृषि अधिकारी द्वारा सरसों व मसूर आदि बीजों के लगभग 200 मिनिकिट का वितरण किया किसानों को किया गया।

यातायात नियमों का पालन न करने पर की जुर्माने एवं वाहन सीज की कार्रवाई

पाली, हरदोई(आरएनएस)। यातायात माह के तहत पाली थाना पुलिस ने जगह–जगह पर चेकिंग अभियान चलाकर कई वाहनों के चालान किए एवं कई वाहनों को सीज कर दिया। पुलिस की इस कार्यवाही से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। शुक्रवार दोपहर पाली थाने के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार दुबे ने कॉन्स्टेबल विजेंद्र कुमार के साथ मिलकर कस्बे के बरगद चौराहे के निकट यातायात माह के तहत वाहन चेकिंग अभियान चलाया। प्रभारी निरीक्षक ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर दो बाइकों का चालान कर जुर्माने की कार्रवाई की तथा तीन ऑटो एवं ई रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां मिलने पर सीज कर दिया।

वहीं पाली कस्बे में डाक बंगले के निकट वरिष्ठ उप निरीक्षक वीर बहादुर सिंह ने वाहन चेकिंग की। वाहनों के दस्तावेज न दिखा पाने और क्षमता से अधिक सवारियां मिलने पर हरि श्याम गुप्ता निवासी हरदोई का ऑटो सीज कर दिया, इसी तरह यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले नीलेश निवासी खेमपुर का ई रिक्शा सीज कर दिया। बीती 4 नवंबर से हरदोई जिले में यातायात माह का पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने शुभारंभ किया है, जो 30 नवंबर तक चलेगा। 1 नवंबर से यातायात माह का शुभारंभ होना था, लेकिन त्योहारों के चलते 4 नवंबर से शुभारंभ हुआ। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार दुबे ने बताया कि थाना क्षेत्र में कई स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया है। ....

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत दी गई जानकारी

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान फेज–05 के अन्तर्गत आज पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी चायल द्वारा उदय राज सिंह इंटर कॉलेज थाना सरायकिल में व जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक, आरक्षियों द्वारा चौराहों, बस स्टैण्ड, टैक्सी स्टैण्ड, जिला अस्पताल, गांव,विद्यालय व कस्बा में भ्रमण करध चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना महेवा घाट के चौकी हिनौता में ग्राम अढौली में चल रहे मेले में, थाना मो0पुरपैंसा द्वारा जनता इंटर कॉलेज पहाड़पुर में, थाना कोखराज द्वारा कस्तूरबा गांधी राजकीय इंटर कॉलेज में , महिला थाना द्वारा प्राथमिक विद्यालय मलाक पिंजरी में ,थाना कड़ाधाम क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर चौपाल लगाकर व इंटर कॉलेज देवीगंज में कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियोंध्महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे– 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉलध्पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना, आयुष्मान योजना आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।

अलवारा झील के सौन्दर्यीकरण एवं ससुर खदेरी नदी के पुनरूद्धार सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा कर दिये निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी श्री मधुसूदन हुल्गी द्वारा कार्यालय कक्ष में अलवारा झील के सौन्दर्यीकरण एवं ससुर खदेरी नदी के पुनरूद्धार सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने ससुर खदेरी नदी पर तैयार किये गये प्रजेन्टेशन को ड्रोन के माध्यम से देखकर नदी के रूटों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किन–किन ग्राम पंचायतो से ये नदी गुजर रहीं है, रूटों का चिन्हीकरण एवं नदी पर हुए अवैध अतिक्रमण का जल्द से जल्द चिन्हीकरण किया जाय। उन्होंने कहा कि ससुर खदेरी नदी के उत्थान के लिए पूरी ऊर्जा एवं पूरे जी–जान से लगकर पूरी तरह से इसका पुररूद्धार करने का संकल्प लेकर कार्य करना है। उन्होंने डीएफओ को निर्देशित किया कि नदी के किनारे–किनारे पौधे लगाने की प्लॉनिंग अभी से ही करें। इसके साथ ही पौधे जीवित रहें, इसकी भी प्लॉनिंग कर लें। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधानों को मोटीवेट कर, उनका सहयोग प्राप्त करें एवं ग्रामवासियों को भी जानकारी दें, कि नदी के पुनरूद्धार से खेती, किसानी एवं सिंचाई आदि में काफी लाभ प्राप्त हो सकता हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नदी में जहॉ–जहॉ पर पानी कम है, वहॉ पर

कार्य चालू कराना सुनिश्चित करें। उन्हांने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लेखपाल, चकबन्दी अधिकारी एंव रोजगार सेवकों को साथ लेकर नदी का सप्ताह में 02 बार विजिट अवश्य करें। जिलाधिकारी ने अलवारा झील की समीक्षा के दौरान झील के बढ़े हुए पानी की निकासी के लिए नाले के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द चालू कराने के निर्देश दियें। उन्हांने कहा कि मुख्य विकास अधिकारी को गठित टीम का अध्यक्ष नामित किया गया हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि झील के सौन्दर्यीकरण की पूरी प्लॉनिंग जल्द से जल्द तैयार कर लें, जहॉ कहीं पर भी कोई समस्या आयें, तो मुझे तत्काल अवगत करायें। उन्होंने डीएफओ को निर्देशित किया कि झील के बढ़े हुए पानी की निकासी का कार्य शुरू होते ही पौधारोपण की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अजीत कुमार श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी मंझनपुर श्री आकाश सिंह एवं प्रभागीय वनाधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डीएम ने जनपद में हुए बड़े बैनामों में से एक का मौके पर जाकर किया स्थलीय सत्यापन

कौशाम्बी। जनपद के विभिन्न उपनिबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत होने वाले विक्रय विलेखों (बैनामा) में सबसे बडे मूल्य के विक्रय विलेख में से एक विक्रय विलेखा संख्या–5674ध2024 पंजीकृत दिनांक 31.08.2024 विक्रीत गाटा संख्या 268 व 270 मि० रक्बा 2280 वर्गमीटर स्थित सम्पत्ति मौजा–मिर्जापुर उर्फ खोजवा, परगना करारी तहसील मंझनपुर जनपद कौशाम्बी में वर्णित सम्पत्ति का स्थलीय निरीक्षण आज दिनांक 14.11.2024 को जिलाधिकारी श्री मधुसूदन हुल्गी द्वारा स्वयं सहायक आयुक्त स्टाम्प एवं उपजिलाधिकारी मंझनपुर के साथ किया गया। सत्यापन में पाया गया है कि बैनामें द्वारा विक्रीत भूखण्ड की चौहद्दी में स्थित सडक की चौडाई कम दर्शायी गयी है तथा 544 रनिंग फिट में बनी 4 फिट से कम ऊंची बाउण्ड्रीवाल को भी नहीं दर्शाया गया है। तथ्यों को छिपाकर स्टाम्प चोरी की गयी हैं। सर्किल दर सूची के अनुसार विभागीय अधिकारियों से गणना कराने पर विलेख में स्टाम्प शुल्क एवं निबन्धन शुल्क के रूप में 141680–00 रू० का प्रथम दृष्टया राजस्व कमी पायी गयी। स्टाम्प अधिनियम के सुसंगत प्राविधानों के अधीन स्टाम्पवाद दर्ज कर कमी स्टाम्प शुल्क वसूली की कार्यवाही प्रारम्भ करने के लिए जिलाधिकारी ने सहायक आयुक्त स्टाम्प को निर्देशित किया।

षिकायतों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण करायें

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का

> ➤ **जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये षिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,**

गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

18 वर्ष की आयु पूर्ण करने व्यक्ति निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करायें– प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अर्हता तिथि 01.01.2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 29 अक्टूबर को किया जा चुका है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जायेंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिला निर्वाचन कार्यालय प्रतापगढ़ में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है जिसका दूरभाष नम्बर 05342–297286 है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनसामान्य से अनुरोध किया है कि जिन व्यक्तियों की आयु 18 वर्ष हो गयी हो या 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हों, यदि उनका नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नही है तो अपने मतदान केन्द्र या सम्बन्धित तहसील में खुले मतदाता पंजीकरण केन्द्र से सम्पर्क कर फार्म प्राप्त कर सम्पूर्ण विवरण भरकर पता आयु का प्रमाण पत्र संलग्न कर सम्बन्धित के पास आवेदन जमा कर सकते है।

भक्त की कथाओं को सुनने के लिए आते हैं भगवान–देवी

सुलतानपुर(आरएनएस)। कुड़वार ब्लॉक के पूरे लेदई गांव में आयोजित देवी चित्रलेखा की कथा के अंतिम दिन प्रदेश सरकार के मंत्री सतीश शर्मा पूर्व मंत्री व विधायक विनोद सिंह राज प्रसाद उपाध्याय और राज बाबू सीताराम वर्मा दिनेश प्रताप सिंह विजय त्रिपाठी श्याम बहादुर पांडेय दिनेश दूबे विजय पांडेय सुशील पांडेय राजेश पांडेय ने व्यास पीठ का नमन करते हुए देवी चित्रलेखा का आशीर्वाद लिया। देवी चित्रलेखा ने सभी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के अंतिम दिन व्यास पीठ से देवी चित्रलेखा ने कहा श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा सुनने जब व्यक्ति आता है तो स्वयं नारायण उसके हृदय में विराजते हैं वह इसलिए की स्वयं भगवान भी अपनी कथा सुनना चाहते हैं क्यों कि श्रीमद् भागवत कथा महापुराण में भगवान के भक्तों की भी कथाएं सुनाई जाती है भगवान लालायित रहते हैं अपने भक्तों के चरित्र और उनकी भक्ति की कथाओं को सुनने के लिए। भगवान को अपने भक्तों की कथा में बहुत आनंद मिलता है।भक्त भगवान के बच्चे हैं दुलारे हैं लाडले हैं और जब भक्तों की कथा गाई जाती है तो भगवान आनंदित हो जाते हैं।यहां देवी चित्रलेखा ने सातवें दिन की कथा में भगवान श्री कृष्ण के मथुरा की लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया वही द्वारिका की लीलाओ मे रुकमिनी जांमवती सत्यभामा यमुना कालिंदी समेत सोलह हजार विवाह की चर्चा की भगवान् व जामवंत के युद्ध व राम स्वरूप के दर्शन की कथा सुन श्रोता भाव विभोर हो गए विवाह के पश्चात शास्त्राजीत की समंतक मणि को वापस द्वारिका ले आये और मणि शास्त्रजीत को सौप दी द्वारिकाधीश के हस्तिनापुर जाने पांडवो की मदद करने महाभारत के युद्ध व सुदामा श्री कृष्ण मिलन की कथा को अपनी मधुर वाणी में सुनाते हुए श्रीमद् भागवत कथा महापुराण का रसस्वादन कराया। कथा समापन पर देवी चित्रलेखा ने मंच से आए हुए अतिथियों सुरक्षा में लगे पुलिस के जवानों और कथा सुनने आए श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आधार में दर्शिका केशरवानी पुत्री अवधेश कुंमार व भारतीय जीवन बीमा निगम के बॉड में काजल केशरवानी पुत्री अवधेश कुंमार हो गया है। जब दोनो एक ही नाम है। अतः दोनो एक ही नाम पढ़े–लिखे समझे जायें।

काजल केशरवानी
पुत्री अवधेश कुमार
धाता रोड, सिराथू, कौशाम्बी

उत्तरप्रदेश में योगी बनाम प्रतियोगी का माहौल बन गया

बाल दिवस पर नन्ही परी वाल पेंटिंग करती हुई।

नेहरू चाचा याद किए गए।

प्रयागराज। 14 नवंबर (बाल दिवस) दिन बृहस्पतिवार को महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन जी के नेतृत्व में प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर आनंद भवन में पुष्पांजलि एवं उन्हें नमन किया गया तत्पश्चात बालसन चौराहा स्थित नेहरू की प्रतिमा पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। सांसद उज्जवल रमण सिंह, शेखर बहुगुणा, प्रदीप मिश्र अंशुमन,मनीष मिश्र, राजेश राकेश, विजय मिश्रा, विनय पांडेय, लल्लन पटेल,अशोक सिंह, रचना पांडेय, राम मनोरथ सरोज, आशीष पांडेय, इस्तियाक अहमद उपस्थित रहे...

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से प्रतियोगी परीक्षा के प्रतिनिधि मंडल ने भेट की। सपा नेता संदीप यादव, विनीत सिंह उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्य के खिलाफ जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन दिया।

प्रयागराज। जिलाधिकारी में अभिभावक एकता समिति के पदाधिकारी एवं जिले के अभिभावक एकत होकर प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता के नेतृत्व में नगर मजिस्ट्रेट जी को ज्ञापन सौंपाकर मांग किया कि सेन्ट मैरी कॉन्वेंट इंटर कॉलेज की कक्षा 9 की छात्रा जैना हुसैन खान द्वारा कॉलेज की प्रधानाचार्य के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या की है इसलिए प्रधानाचार्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कठोर कार्रवाई की जाए। और घटना की उच्च स्तरीय जाँच हो। प्रमिल केसरवानी ने कहा कि अगर पुलिस प्रशासन सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं करती है तो अभिभावक एकता समिति आंदोलन करने को बाध्य होगी। प्रदीप श्रीवास्तव बृजेश निषाद विकास अग्रहरि राकेश सिंह सुशील जैन ,प्रमोद कुमार ,पीके यादव पी के श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

भारतीय रेलवे पर "कवच" प्रणाली का विकास

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे पर संरक्षित रेल संचालन के लिए सिगनल प्रणाली को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कलर लाइट सिगनल प्रणाली, इलैक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, पैनल इंटरलॉकिंग, आटोमैटिक ब्लाक सिगनल प्रणाली जैसे अपग्रेडेशन के बाद अब अत्याधुनिक स्वदेशी प्रणाली से निर्मित कवच प्रणाली पर कार्य किया जा रहा है। फरवरी 2012 में, काकोडकर समिति ने डिजिटल रेडियो आधारित सिगनलिंग प्रणाली स्थापित करने की अनुशंसा की।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्याः एस/सेल/611/ई-नी.का./24-25 दिनांकः 12.11.2024

ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या - 09 माह दिसम्बर - 2024

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे। **रद्दी मदें:** पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नान मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल/पैट्स ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम व्हेकिल्स, कन्डम आफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्लैग, रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई.टैंक्स, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज्ड फेरस स्क्रैप, रिलीज्ड एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्क्रल वर्कशाप एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम. एस. स्क्रैप मदें।

क्रमांक	ई-नीलामी की तिथि व दिन		डिपो/मण्डल	नीलामी के आयोजक
1.	05.12.2024	गुरूवार	सामान्य भण्डार डिपो/झाँसी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/प्रणाली/ झाँसी।
2.	12.12.2024	गुरूवार		
3.	19.12.2024	गुरूवार		
4.	27.12.2024	शुक्रवार		
5.	10.12.2024	मंगलवार	सामान्य भण्डार डिपो/कानपुर	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/ सामान्य भण्डार डिपो/कानपुर।
6.	20.12.2024	शुक्रवार		
7.	04.12.2024	बुधवार	प्रयागराज मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज
8.	17.12.2024	मंगलवार		
9.	24.12.2024	मंगलवार		
10.	04.12.2024	बुधवार	झाँसी मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/झाँसी।
11.	11.12.2024	बुधवार		
12.	27.12.2024	शुक्रवार		
13.	05.12.2024	गुरूवार	आगरा मण्डल	वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे/आगरा।
14.	12.12.2024	गुरूवार		
15.	19.12.2024	गुरूवार		

माध्यम : www.ireps.gov.in वेबसाइट द्वारा

विशेष शर्तें : 1. सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियों ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेन्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेन्डर दिवस में भी जारी रहेगी। 2. ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। 3. इच्छुक खरीददार स्क्रैप किये गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। 4. यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रूपयों से अधिक है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। 5. नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अंतिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट 'www.ncr.indianrailways.gov.in' पर देखें। 6. ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। 1978/24 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज फूलपुर केरुदापुर में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी हाँजी मुजतबा सिद्दीकी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी बनाम प्रतियोगी का माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि जिन्हें अधिकारी बनना था सरकार ने उन्हें आंदोलनकारी बना दिया।सपा प्रमुख ने आंदोलनकारियों को बधाई देते हुए कहा युवा अपने हक की लड़ाई में पीछे नहीं हटे और अपनी मांग को लेकर सरकार का समर्थन चाहते हैं।उन्होंने कहा कि मेरी भी इच्छा थी मैं आंदोलनकारी छात्रों के बीच बैठता लेकिन आरोप लगता कि आंदोलन राजनीति से प्रेरित है। आंदोलनकारी छात्रों की मांगें जायज हैं मेरा उनको पूरा समर्थन है। आंदोलनकारी छात्रों को एवं छात्राओं को धरना स्थल से हटाने के लिए सादी वर्दी में पुलिस भेजे जाने की निंदा करते हुए कहा कि यह घिनौना कार्य है। भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि पेपरलीक जानबूझकर किया जाता है। इनके एजेंडे में नौकरी नहीं है। पेपरलीक, परीक्षा प्रणाली में धांधली, परीक्षा की तारीख टालने,परीक्षा को रद्द किए जाने,आरक्षण को खत्म किए जाने,रिजल्ट लटकाने, रिजल्ट आने के बाद कोर्ट में जाने जैसे कार्य भाजपा के लोग ही करते हैं। पीडीए के अक्षरों से घबराए मुख्यमंत्री डीएपी से भी परहेज कर रहे हैं किसान कालाबाजारी का शिकार हो रहा है परेशान है और सरकार ने उसे अपने हाल पर छोड़ दिया है। चुनाव की तारीख बदलने पर तंज कसते हुए कहा की चुनाव टालने वाले चुनाव हारने जा रहे थे।फूलपुर के लोकसभा चुनाव में बेईमानी से गठबंधन प्रत्याशी हराए जाने का आरोप लगाते हुए कहा की फूलपुर की जनता का समर्थन साथ और सहयोग समीकरण के बल पर उपचुनाव में सबसे बड़ी जीत होने जा रही है। पीडीए को पॉजिटिव पॉलिटिक्स का आंदोलन बताते हुएकहा कि यह प्रोग्रेसिव है जिसका मूल सिद्धांत सबका साथ सबका विकास है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के पेट में जो दर्द है वह पीडीए ही दूर करेगा। उन्होंने कहा कि यह उपचुनाव 2027 का संकेत देगा। सपा प्रमुख ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने बुल्डोजर संस्कृति को न्याय का प्रतीक नहीं माना। माननीय न्यायालय बधाई के पात्र हैं। सपा सुप्रीमो ने कहा कि महाराष्ट्र के चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी चली जाएगी इस उपचुनाव में इंडिया गठबंधन नौ की नौ सीटें जीतने जा रहा है। बढ़ती महंगाई पर कहा कि भाजपा राज में जमाखोरी बढ़ी है मुनाफाखोरी बढ़ेगी तो महंगाई बढ़ना निश्चित है।उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र आज भी खतरे में है आम आदमी के अधिकार छीने जा रहे हैं आह्वान किया कि लखनऊ और दिल्ली में सरकार हटेगी तभी लोकतंत्र और संविधान सुरक्षित होगा। यूनिवर्सिटी और डिग्री कॉलेजों में नियुक्तियों में भेदभाव किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक विशेष विचारधारा के लोग चयन कर रहे हैं जिसके चलते 15: लोग भी पीडीए के नहीं है। इस संविधान पीडीए की संजीवनी है। जो रक्षा कवच बनकर मदद करता है बाबासाहब अंबेडकर के दिये संविधान को सुरक्षित रखने की लड़ाई जारी रहेंगी। डबल इंजन की सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि दोनों इंजिन आपस में टकरा रहे हैं प्रदेश में कार्यवाहक डीजीपी से काम चलाया जा रहा है जो पहली बार हुआ है। बेटियों की सुरक्षा खतरे में है एनसीआरबी का रिकॉर्ड बताता है कि भाजपा सरकार में आत्मदाह का रिकॉर्ड बना है।लखनऊ में अलग से कोर्ट का गठन हो रहा है थाने और तहसील पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि वस्त्र पहनकर धोखा दिया जा सकता है वस्त्र पहनकर योगी नहीं बल्कि विचार और बातचीत से बनता है। अंग्रेजों के डिवाइड एंड रूल पॉलिसी की चर्चा करते हुए कहा की उनके वचन वंशी और विचार वंशी आज लोगों को बांटना चाहते हैं और हम लोगों को जोड़कर चलना चाहते हैं जो 2027 तक चलता रहेगा।

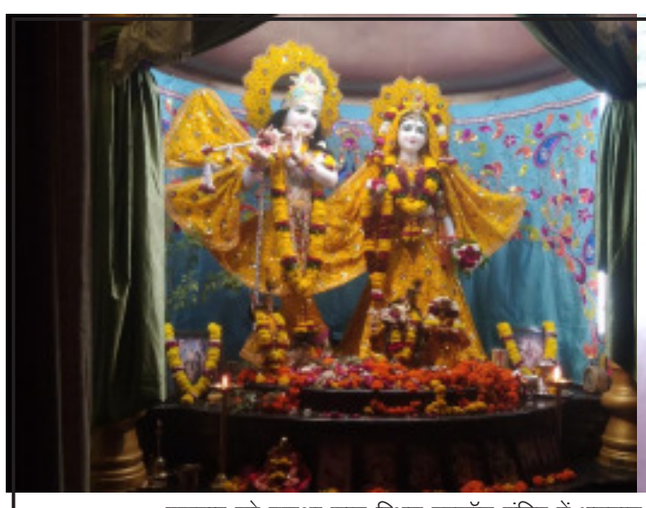

गुरुवार को बलुआ घाट स्थित इस्कॉन मंदिर में भगवान वेणीमाधव, राधारानी का पीले वस्त्रों से श्रृंगार किया गया।

स्वच्छ प्रयागराज 'चौदह नवम्बर' पर निगम की अनोखी पहल

प्रयागराज। नगर निगम में गुरुवार को बाल दिवस पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। नगर के विभिन्न स्कूल के बालकों ने श्स्वच्छ प्रयागराजश विषय पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक बच्चों ने भाग लिया और जॉर्ज टाउन स्थित उत्तर प्रदेश मूकबधिर स्कूल की बाहरी दीवारों पर स्वच्छता का संदेश देते चित्रों में रंग भरे बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को उजागर किया और प्रयागराज को स्वच्छ और आकर्षक बनाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। करीब 140 मीटर लम्बी दीवार पर बच्चों ने स्वच्छता से जुड़े, प्रकृति, फूलों और पक्षियों को दर्शाते चित्रों में रंग भरें। इनमें राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस, स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम इण्टर कॉलेज जॉर्ज टाउन, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज सर्वोदय नगर, उत्तर प्रदेश मूकबधिर विद्यालय जॉर्ज टाउन, राजकीय इंटर कॉलेज, गोल्डन जुबली जगत तारन इण्टर कॉलेज सहित अन्य स्कूलों के बच्चे और इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के फाइन विभाग की छात्राएँ शामिल हुईं। बच्चों ने सन्देश दिया कि हम तो शहर को स्वच्छ बना रहे हैं। शहर को सजा रहे हैं। आप भी इसमें सहयोग करें और प्रयागराज को स्वच्छ बनाएं। जार्ज टाउन पार्षद आशीष कुमार द्विवेदी ने कहा, जिला प्रशासन और प्रयागराज नगर निगम की इस मुहिम में पूरा क्षेत्र उनके साथ है। बच्चों के इस स्वच्छता सन्देश को हर नागरिक अपनाए। वहीं स्कूलों के शिक्षकों ने भी कहा कि हम सब स्वच्छ प्रयागराज, स्वच्छ महाकुम्भ बनाना चाहते हैं। इसके लिए स्कूलों के साथ ही छात्र–छात्राएं भी अपना योगदान दे रहे हैं। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बच्चों की कला की प्रशंसा की और उन्हें स्वच्छता के प्रति अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, ष्बच्चे हमारे भविष्य हैं और उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करना हमारी जिम्मेदारी है। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में मदद करेगा।ष, अपर आयुक्त अरविंद राय, सहायक आयुक्त दीपशिखा पाण्डेय, पीके द्विवेदी जोनल अधिकारी संजय ममगई, एसएफआई, अरविंद सिंह, स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्रा, शिक्षक गया प्रसाद द्विवेदी, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की शिक्षिका, भारती, पल्लवी श्रीवास्तव, डॉ. क्षमा शुक्ला, राजकीय इंटर कॉलेज के शिक्षक ओम प्रकाश यादव, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज के शिक्षक अरविन्द कुमार श्रीवास्तव रहे।।

छात्र शक्ति की जीत– रास सासद

रास सांसद उपनेता राज्यसभा ने यूपी पीएससी द्वारा पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एक ही दिन कराए जाने के निर्णय को छात्र शक्ति की जीत करार दिया है। उन्होनें कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग कल तक यही रट लगा रहा था कि यह फैसला नही बदलेगा। किन्तु उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा की 9 सीटों के उप चुनाव के दबाव में सरकार को छात्रों की जायज मांगों को स्वीकार करना पड़ गया। तिवारी ने कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरी तरह से गैर राजनीतिक रहा, और छात्रों ने सत्य के लिए संघर्ष किया। गैर राजनीतिक ढंग से चलाए गए छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन की आंच उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र के साथ– साथ देश भर में पहुंच गयी। ऐसे में सरकार को छात्रों की विशुद्ध जायज मांगे, उनके भविष्य की सुरक्षा को लेकर चलाए गए संघर्ष में चौतरफा दबाव के चलते यूपीपीएससी को अपनी हठवादिता त्यागकर नए निर्णय के लिए अन्ततः झुकना पड़ा। तिवारी ने कहा कि हालांकि अभी यूपीपीएससी द्वारा मौखिक रूप से ही इस प्रकार का निर्णय सुनाया गया है। उन्होनें तंज कसते हुये कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से छात्र, बेरोजगार, श्रमिक तथा युवा एवं किसान व आम आदमी के हितों की विरोधी है। 69000 शिक्षकों का गंभीर मसला अभी भी लंबित है। परीक्षाओं में पेपर लीक होना या कोई न कोई तकनीकी कठिनाई का सामने आना भी सरकार का छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का गैरजबाबदेही चेहरा बेनकाब होता आया है। छात्र आंदोलन को लेकर भाजपा पर यह भी तंज कसा कि वह कहती है कि एक रहोगे तो सेफ रहोगे, बटेंगे तो कटेंगे। आखिर छात्रों ने भी एकजुटता का प्रदर्शन कर सत्य के संघर्ष में जीत की मंजिल हासिल कर ली। उन्होने छात्रो के अपने भविष्य की सुरक्षा को लेकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन में हासिल हुई जीत के लिए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना दिनांकः 12.11.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कै वै, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है -

क्र.सं	GeM बिड संख्या	कार्य का अनुमानित लागत (रु. में)	EMD
1	GEM/2024/B/5588679 Dated- 12.11.2024	रु. 42353095.00	रु. 361770

कार्य का नामः 03 वर्षों के लिए प्रयागराज डिवीजन में GMC में परीक्षण के दौरान वैगनों की मरम्मत करने का कार्य।

2	GEM/2024/B/5588389 Dated- 12.11.2024	रु. 22494336.00	रु. 262480

कार्य का नामः 03 वर्षों के लिए प्रयागराज डिवीजन में ICD/DER में परीक्षण के दौरान वैगनों की मरम्मत करने का कार्य।

निविदा सिस्टमः दो पैकेट सिस्टम, **ई-निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य, **कार्य की अवधिः** 03 वर्ष, **GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथिः 12.11.2024, निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः 04.12.2024 को 15:00 बजे,**

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध / अपलोड की जाएगी और वेबसाइट **www.GeM.gov.in.** पर बनी रहेगी, निविदा बंद होने की नियत तिथि तक। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, ठिकेदारों को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज़ पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 7. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 1977/24 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2024/540 दिनांकः 11.11.2024

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-931-2024

कार्य का विवरणः एन सी रेलवे के प्रयागराज मंडल के टीआरडी विभाग द्वारा पीपीजीसीएल साइडिंग द्वारा के ओवर हेड उपकरण (ओएचई) का दो वर्षों तक रखरखाव का कार्य।

अनुमानित लागत : रु0 2,37,91,253.87	**बिड सुरक्षा राशि :** रु0 2,69,000
कार्य अवधि : 24 महीना	**बोली प्रणाली :** एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 03.12.2024, 14:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 03.12.2024, 15:00 बजे	
एलोकेशनः Deposit (00844581)	**यूहब्लूआईडी नं0:**

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1969/24 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

एसआरएन मार्ग पर फर्राटा भरने लगीं गाड़िया, अस्पताल का हो रहा विस्तार

प्रयागराज। वर्षों से खराब एसआरएन मार्ग पर अब गाड़ियां फर्राटा भरने लगी हैं। महात्मा गांधी मार्ग से अस्पताल तक लगभग 30 फिट चौड़ी सड़क बनकर तैयार हो गयी है। सड़क के खराब होने से अस्पताल तक मरीजों को पहुंचने में परेशानी होती थी। सड़क बनने के साथ उसके दोनों तरफ पेंट माई सिटी के तरफ कृष्ण की बाललीला को कलात्मक तरीके से चित्रित किया गया है। सड़क का निर्माण इसलिए भी जरूरी था क्योंकि महाकुम्भ तक अस्पताल का विस्तार हो जाएगा। अस्पताल की ओर से शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण कॉलेज की जमीन पर 100 बेड का क्रिटिकल सेंटर और अत्याधुनिक डायग्नोसिस सेंटर का निर्माण हो जरा है। नई बिल्डिंग की पैथोलॉजी से मरीजों की सभी जांच हो सकेगी। साथ ही ब्लड बैंक की सुविधा रहेगी। एसआरएन अस्पताल तक मरीजों को जाने के लिए तीन रास्ते मनाए जा रह हैं।

समागम में जाएंगे तीस हजार निरंकारी

प्रयागराज। निरंकारी संत समागम का तीन दिवसीय वार्षिक अधिवेशन 16 नवंबर से हरियाणा के संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में आयोजित होने जा रहा है। जिसमें शामिल होने के लिए प्रयागराज जोन से तीस हजार निरंकारी भक्त गुरुवार की रात रवाना होंगे। जोन के प्रभारी अशोक कुमार सचदेव ने बताया कि अधिवेशन के दौरान संपूर्ण समागम परिसर को चार भागों में विभाजित किया गया है। इसमें एक भाग की जिम्मेदारी प्रयागराज जोन को सौंपी गई है। इस जोन से जाने वाले हजारों निरंकारी सेवादल के साथ मिलकर अधिवेशन में खानपान व आवासीय परिसर में रहने वाले श्रद्धालुओं की देखरेख करेंगे।

ड्राइवर न होने से एसआरएन में खड़ी हैं एंबुलेंस

प्रयागराज। स्वरूपरानी अस्पताल परिसर में इस चार एंबुलेंस बिना उपयोग की खड़ी हैं। इसमें एक एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस (एएलएस)एंबुलेंस 24 अक्तूबर को निजी बैंक की ओर से अस्पताल मिली थी। मेडिकल कॉलेज से एंबुलेंस को लाकर अस्पताल परिसर में खड़ी कर दी गयी थी। लेकिन ड्राइवर न होने के कारण एंबुलेंस का उपयोग नहीं हो रहा है। साथ ही तीन अन्य एंबुलेंस का भी उपयेाग नहीं हो रहा है। कोटक महेन्द्रा की ओर से भेंट गयी एएलएस पर रखा गया फूल–माला भी अभी नहीं उतरा है। मरीजों को जरूरत पड़ने पर अस्पताल की एंबुलेंस न मिलने पर निजी एंबुलेंस करना पड़ता है।

घर में सो रहे युवक की हत्या, सिर कूंचकर आरोपी फरार, खून से लथपथ शव मिला

प्रयागराज। प्रयागराज के हंडिया में लाक्षागृह गांव में मंगलवार की देररात झोपड़ी में सो रहे एक युवक की सिर कुंचकर निर्मम हत्या कर दी गई है। बुधवार सुबह घरवाले पहुंचे तो चारपाई पर खून से लथपथ उसका शव देखकर चीख पड़े। सूचना पर हंडिया पुलिस पहुंची। पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। हंडिया थाना क्षेत्र के लाक्षागृह गांव निवासी डबलू वर्मा के तीन बेटों में दूसरे नंबर का 18 वर्षीय बादल वर्मा घर से कुछ दूर सड़क किनारे झोपड़ी डालकर अंडे, नमकीन आदि की दुकान लगाता था। रात में वह उसी झोपड़ी में सोता था। मंगलवार की रात वह भोजन करने के बाद घर से दुकान आया और यहीं सो गया था। बुधवार सुबह घर के लोग झोपड़ी में पहुंचे। अंदर देखा कि बादल का खून से लथपथ शव चारपाई पर पड़ा था। यह देखकर घरवाले बिलखने लगे। थोड़ी ही देर में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर हंडिया पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर छानबीन की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**